सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

भाषा संगम
Bhasha Sangam
Sindhi
Volume 19

STEP-BY-STEP GUIDE FOR USERS TO ACCESS E-RESOURCES LINKED TO QR CODES

The coded box included in this book is called Quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios related to the sentences in the 22 languages given in the book. The first QR code is to access the complete e-book. The subsequent QR codes will help to access the relevant e-Resources linked to the languages in alphabetical order. This will help you enhancing your learning in joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your mobile phone or tablet.

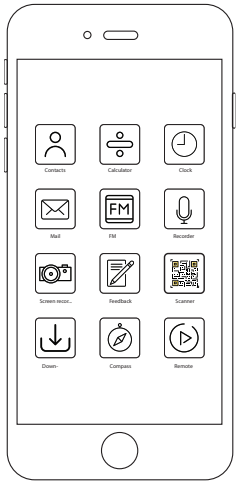

Install QR Code Scanner app from Play Store and open

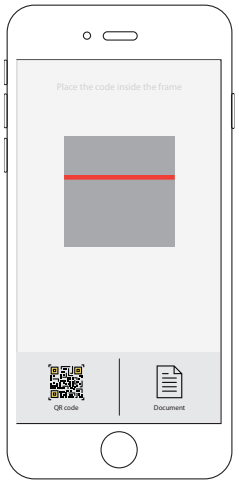

Get ready with QR code scanning window

Place scanner above the QR code

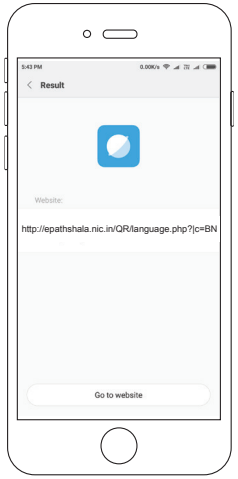

Select and click on the link

Use available e-Resource

For accessing the e-Resources on a computer or laptop follow the steps stated below:

1. Open the web browser like Firefox, Chrome etc.
2. Go to the ePathshala website (http://epathshala.gov.in) and click on ***Ek Bharat Shreshtha Bharat*** Menu
3. Select the language and access the audio and video

भाषा संगम

Bhasha Sangam

BS02SI

Sindhi

Volume 19

एक भारत श्रेष्ठ भारत

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), नई दिल्ली विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को रुचिकर एवं आनंदप्रद बनाने के उद्देश्य से बहुआयामी तथा रोचक गतिविधियों को तैयार कर रहा है।

हमारा देश 'विविधता में एकता' की भावना को सम्पुष्ट करने वाला देश है। बहुभाषिकता हमारे देश की अनूठी विशेषता है। हम आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से तो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं ही, साथ ही भारतीय भाषाएं अंतर्भाषिक रूप से भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए बहुभाषी होना हमें एक-दूसरे को जानने, समझने के साथ-साथ देश को भी मजबूती से जोड़ने में मदद करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी बहुभाषिकता को एक ताकत के रूप में देखा गया है। शोध एवं अनुसंधानों से स्पष्ट है कि शुरुआती वर्षों में बच्चों में भाषा सीखने की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए कई भाषाओं के माध्यम से खेल-खेल में सीखने संबंधी अभ्यास करवाया जाए तो निश्चय ही बेहतर परिणाम होंगे। साथ ही, अन्य विषयों को सीखना भी आसान हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा में उनकी मातृभाषाओं या आस-पास की भाषाओं के साथ-साथ अन्य भाषाओं से भी परिचय कराने का प्रावधान किया गया है। शुरुआती दौर में यह प्रयास हमारे संविधान में शामिल 22 भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के माध्यम से किया गया है, जिसका धीरे-धीरे अन्य भाषाओं तक विस्तार किया जाएगा।

एनसीईआरटी द्वारा बहुत ही रचनात्मक ढंग से अनेक बहुआयामी एवं रोचक गतिविधियों को तैयार किया गया है। इसके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में पूरे देश की संस्कृति, समाज, भूगोल, रहन-सहन इत्यादि को जान सकते हैं। यह रचनात्मकता आकलन संबंधी रचनात्मकता की भी मांग करती है, इसलिए ऐसे कुछ आकलन संबंधी बिंदु भी इसमें शामिल किए गए हैं। एनसीईआरटी का यह प्रयास निश्चित ही पूरे भारत को एक सूत्र में बांधते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को समृद्ध करेगा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

मैं संस्थान को इन उत्कृष्ट प्रयासों हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

धर्मेन्द्र

(धर्मेन्द्र प्रधान)

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

About Bhasha Sangam...

Language is a major instrument in shaping individuals, society, culture, learning and education, thinking and identity of people. Language learning, as we know, is fundamental to all learning and harmonious development of young children into citizens for a country. Learning many languages in school and in society is common in our country and almost all Indians are multilinguals. This multilingual characteristics of the country is reflected in school education as the school curriculum advocates learning of many languages.

Bhasha Sangam is yet another effort in moving towards achieving the goal of education as also the vision of the Indian Constitution. **National Education Policy 2020**, while deliberating on language education in school underscores the need for recognising and promoting multilingualism as a path to realising the fundamental aims of education and schooling. The effort to enable our learners learn and use 100 sentences in the 22 languages will go in a long way in promoting language learning and understanding others through schooling. I sincerely hope that this programme of *Bhasha Sangam* is taken in all seriousness and implemented in schools to achieve the goals of education.

I wish all learners, teachers and head teachers the best to benefit the maximum from *Bhasha Sangam.*

भाषा वह माध्यम है जो प्रत्येक व्यक्ति, समाज, संस्कृति, शिक्षा, चिंतन और जन अस्मिता को स्वरूप प्रदान करता है। जैसा कि विदित है कि भाषा सीखना और सिखाना मानवता के लिए एक मूलभूत आवश्यक तत्त्व है। इसके परिणाम स्वरूप नागरिकों में एकता और सद्भावना विकसित होती है। विद्यालयों में अनेक भाषाओं का शिक्षण एक सामान्य बात है और लगभग सभी भारतीय बहुभाषी हैं। बहुभाषिकता की इसी विशेषता को लक्षित करते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में बहुभाषिकता को प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भाषा संगम एक प्रयास है जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान और प्रसार हो। इसके अंतर्गत यह चेष्टा की गई है कि सभी शिक्षार्थी 22 भाषाओं में 100 वाक्यों को सीखेने और बोलने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार विभिन्न भाषाओं के प्रति समझ, रूचि और बोध संभव होगा।

मुझे पूरी आशा है कि भाषा संगम को पूर्ण गंभीरता से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे स्कूली शिक्षा के हमारे इस महती लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। मैं सभी शिक्षार्थियों, अध्यापकों और विद्यालय प्रमुखों को भाषा संगम अभियान का लाभ उठाने की शुभकामनाएँ देता हूँ।

Sridhar Srivastava

Sridhar Srivastava
Director
National Council of Educational Research and Training
New Delhi 110016

एक भारत श्रेष्ठ भारत
भाषा संगम

आप और हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहाँ थोड़ी–थोड़ी दूरी पर भाषा बदल जाती है। आप एक से ज़्यादा भाषा जानते, समझते, सुनते या बोलते होंगे, इस बात में कोई शक नहीं हो सकता। यह हमारे देश और समाज की ख़ूबसूरती है। आपकी कक्षा में आने वाले बच्चे भी ऐसे पारिवारिक या सामुदायिक परिवेश से आ सकते हैं जहाँ एक से ज़्यादा भाषाएँ बोली जाती हों। संभावना ये भी है कि स्कूल में इस्तेमाल होने वाली भाषा बच्चों के परिवेश में मौजूद न हो। इस सामाजिक सच्चाई को स्कूल में उचित स्थान मिलना ज़रूरी है।

इन्हीं विविधताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें आपस में जोड़े रखने के लिए **"एक भारत, श्रेष्ठ भारत"** के अंतर्गत **'भाषा संगम'** कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। **'भाषा संगम'** हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाने और बहुभाषिकता के प्रति जागरूक करने की ओर एक पहल है। इसके फलस्वरूप विद्यार्थी न केवल बहुभाषिकता के प्रति जागरूक होंगे बल्कि उस भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवहारों और संदर्भों को समझ पाएंगे।

भाषा संगम के उद्देश्य

- भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी 22 भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- सभी भाषाओं के प्रति आदर और सम्मान को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को इन भाषाओं के माध्यम से देश की अनूठी सांस्कृतिक छटाओं और व्यवहारों के समीप लाना।

भाषा संगम का क्रियान्वयन

भाषा संगम की शुरूआत में विद्यार्थियों को अलग-अलग भाषाओं के पाँच वाक्य सीखने के मौके दिये गए। फलस्वरूप विद्यार्थियों में इन भाषाओं को विस्तार से जानने की और इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के सांस्कृतिक, सामाजिक व भाषिक व्यवहार को जानने समझने की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए विद्यार्थियों को 22 भाषाओं में लगभग 100 वाक्यों के गुच्छे सीखने के लिए दिये जा रहे हैं। इन वाक्यों से परिचित कराने से पहले एक अपेक्षित माहौल बनाने की जरूरत होगी, जिससे कि दूसरी भाषाओं को सीखने में सुगमता और सहजता आ सके। हमारा विश्वास यह है कि विद्यार्थी इन्हीं वाक्यों तक सीमित न रह कर आगे बढ़ें।।

- यह कार्यक्रम राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम में संविधान में दी गई सभी 22 भाषाओं का समावेश किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं में सरल व सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाले छोटे-छोटे वाक्य तैयार किए गए हैं जिन्हें सभी विद्यार्थियों के साथ एक पुस्तिका के रूप में साझा किया जाएगा।

पुस्तिका की प्रस्तुति/ रूपरेखा इस प्रकार है -

- इस पुस्तिका में दिये गए वाक्य संवाद शैली में बने हैं। ये वाक्य विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक एवं दैनिक जीवन से संबद्ध विषयों पर आधारित है।
- इन वाक्यों की रूपरेखा कुछ इस प्रकार से की गई है: पहले मूल भाषा में फिर देवनागरी लिपि में फिर उसका हिंदी अनुवाद - रोमन लिपि में व अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।
- इन विषयों पर आधारित वाक्यों को सीखने-समझने और अभ्यास करने के लिए 20 कार्य दिवस प्रस्तावित किए गए हैं।
- प्रत्येक विषय और उसके अंतर्गत आने वाले वाक्यों के लिए दिनों का निर्धारण सुझाया गया है। यदि किन्हीं दिनों में वाक्यों की संख्या अधिक है तो उनके अभ्यास के लिए आवश्यकतानुसार दिनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
- औपचारिक रूप से इस पुस्तिका के इस्तेमाल के लगभग एक माह पहले उपयुक्त परिवेश बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।
- अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस प्रक्रिया को अभ्यास के द्वारा आगे के महीनों में भी दोहराया जा सकता है।
- इस परियोजना के दस्तावेजीकरण के लिए और विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ सुझाव हैं, जैसे- विद्यालय विद्यार्थियों की प्रमुख गतिविधियों/दैनिक गतिविधियों के छायाचित्र और वीडियो तैयार कर 'अपलोड' करेंगे। राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग, डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. भी इन गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो राज्य स्तर, जिला स्तर या ब्लॉक/ संकुल स्तर पर 'अपलोड' कर सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा 'अपलोड' की गई अथवा भेजी गई तस्वीरों और वीडियो के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय, सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।
- यदि कुछ विद्यार्थी अन्य भाषा बोलना और पढ़ना-लिखना जानते हैं तो उन्हें पढ़ने के लिए और दूसरों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसी प्रकार यदि कोई अध्यापक/ अध्यापिका, अभिभावक, सरकारी कर्मचारी या कोई अन्य उस भाषा को पढ़ सकते हों तो उन्हें उन वाक्यों को पढ़ने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- प्रस्तावित पुस्तिका और उससे संबंधित गतिविधियाँ अर्थपूर्ण और रोचक माहौल में आयोजित की जानी चाहिए ताकि बच्चे सीखी जाने वाली भाषा का इस्तेमाल रोजाना की आपसी बातचीत में करने की कोशिश करें। ऐसा करने में कुछ हँसी-मजाक का माहौल भी बन सकता है। शिक्षक भी बच्चों के साथ इस बातचीत में शामिल हों।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

- यहाँ 12 विभिन्न विषयों पर लगभग 100 वाक्य दिए गए हैं। राज्य/विद्यालय किसी भी दूसरे राज्य की भाषा, बोलने और अभ्यास के लिए चुन सकते हैं। यह बातचीत प्रातःकालीन सभा में की जाएगी।
- विद्यार्थियों को इन वाक्यों पर पोस्टर तैयार कर उन्हें विद्यालयों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अध्यापकगण उसी भाषा में बच्चों को संबोधित करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।
- विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा कि घर पर परिवार के सदस्यों के साथ इन वाक्यों को साझा करें।

- इस पहल/कार्यक्रम से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन विद्यालय अपने स्तर पर कर सकते हैं।
- इन भाषाओं के लोक-गीतों, प्रचलित गाने, खेल-गीत, कविताओं का इस्तेमाल इस भाषा के प्रति रुझान उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।
- भूगोल, भाषा, इतिहास, पर्यावरण अध्ययन आदि विषय पढ़ाते समय ये संवाद/ वाक्य समुचित स्थान पर यथासम्भव उपयोग में लाए जा सकते हैं, क्योंकि ये संवाद/ वाक्य बच्चों के लिए प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं।

भाषा संगम एक ऐसा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को देश के राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों और उनमें समाहित सांस्कृतिक, भाषिक विविधता को समझने का अवसर देगा। यह कार्यक्रम आपसी संवाद की एक पहल है।

आपके स्कूल में यह कार्यक्रम सुचारू रूप से चल सके उस के लिए आप कुछ तैयारी इस तरह से कर सकते हैं:

- विद्यालय प्रमुख स्कूल के सभी अध्यापकों के साथ इस कार्यक्रम से जुड़ी सामग्री को ज़रूर पढ़ें। पढ़कर उस पर चर्चा हो और कार्यक्रम के हर पहलू पर बातचीत हो। यह कार्यक्रम बहुभाषिकता की समझ पर टिका है इसलिए इस पर साझा समझ बनाना बेहद ज़रूरी है।
- अभिभावकों की साझेदारी इस कार्यक्रम में ज़रूरी है। शिक्षक अभिभावक संघ की मीटिंग के ज़रिये अभिभावकों को इस कार्यक्रम से परिचित करवाएं और उन्हें अपने विचार और सुझाव रखने को कहें।
- इस कार्यक्रम की सफलता के लिए ज़रूरी है कि स्कूल में सभी अपनी ज़िम्मेदारी जानते हों। कक्षा 4 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों में से एक मुख्य समन्वयक की ज़िम्मेदारी ले लें और 2-3 शिक्षक सह-समन्वयक की भूमिका में मदद कर सकते हैं।

भाषा संगम के लिए तैयारी– कक्षा में माहौल बनाना

यह कार्यक्रम बच्चों के अनुभव क्षेत्र में एक ऐसी भाषा ले कर आ रहा है जो आमतौर पर आपके स्कूल के बच्चों ने कभी न सुनी हो, हो सकता है भाषा का नाम सुना हो पर भाषा सुनने का कभी मौका न मिला हो। यह भाषा अपरिचित तो लग ही सकती है, इस की ध्वनियाँ, वाक्यों का उतार-चढ़ाव, यह सब भी एक नयापन लिए सुनाई देंगे। बच्चों और खुद के कानों को इस भाषा की आवाज़ों और उच्चारणों की आदत डालनी होगी। इस के लिए आप महीने भर का समय लें और इस समय में भाषा को सुनने का मज़ा लें। इस मज़े में भाषा से दोस्ती हो पाएगी।

सरल और सहज माहौल जिस में भाषा के कुछ खेल, गीतों, जनमानस में छाए लोक गीतों, बच्चों के लिए उपयुक्त फ़िल्मी गानों का भरपूर इस्तेमाल हो। पहेलियाँ और चुटकुले पीछे न रह जाएँ- खासकर वो जिनमें ध्वनियों, शब्दों का खेल हो। कुछ साधन-सामग्री तो आप तक पहुंच ही जाएगी पर इन्टरनेट का भी सहारा लें। सुनें, सुनाएं, गाएं, गुनगुनाएं, खेलें। आप के उत्साह और आप को आ रहे आनंद से बेहतर साधन-सामग्री असल में कुछ भी नहीं है। इस में आपको कक्षा में बहुत समय देने की ज़रूरत भी नहीं है। दिन में दो-दो बार 10-15 मिनट काफ़ी होंगे। बस आप की तैयारी पूरी रहे। ऐसा समय अच्छा हो सकता है जब बच्चे दिमागी कवायद से थक गए हों या फिर खाने से ठीक बाद के 10-15 मिनट या फिर घर जाने से पहले। यह पूरी कोशिश केवल कानों को नयी भाषा सुनने के लिए अभ्यस्त करने की है और उस में आनंद लेने की। इसे आप औपचारिकता से दूर रखें। इस महीने में बच्चों को किसी भी तरह से परखा न जाए।

- इस दौरान आप को कुछ ऐसे स्रोतों की ज़रूरत पड़ सकती है जिस से कक्षा में नयी भाषा सीखने का माहौल बन सके। नीचे कुछ ऐसे ही स्रोतों की सूची है जहाँ आपको विभिन्न भाषाओँ में सामग्री मिल सकती है:
  - राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
  - राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
  - जिलों के मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
  - सांस्कृतिक संदर्भ एवं प्रशिक्षण केंद्र
  - चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी
  - नेशनल बुक ट्रस्ट

सीखने की प्रक्रिया- बच्चों की प्रतिक्रियाएं

जब एक ऐसी भाषा बच्चों के कानों में पड़ेगी जो उन्होंने पहले नहीं सुनी तब बच्चों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग तरह की होंगी। हो सकता है कुछ बच्चे शुरुआत में कोई दिलचस्पी न दिखाएं, हो सकता है कुछ को अटपटी लगी, कुछ को मजेदार लगे और कुछ इसका मज़ाक भी उड़ाएं। हमें सभी तरह की प्रतिक्रियाओं के लिए तैयार रहना होगा। हम जितने सम्मान, दिलचस्पी और उत्साह के साथ इस भाषा के साथ बच्चों का परिचय करवाएंगे बच्चों का रवैया भी भाषा के प्रति वैसा ही विकसित होगा।

रचनात्मक आकलन

आकलन के समय इस ख्याल को ज़हन में रखना मददगार होगा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भाषा सिखा देना नहीं है। बीस दिन में यह संभव भी नहीं। सम्बंधित भाषा के ये वाक्य बच्चों को उस भाषा को सुनने का सन्दर्भ देते हैं। यह कार्यक्रम इन वाक्यों को यांत्रिक रूप से रटा देने का भी उद्देश्य नहीं रखता। **कार्यक्रम के दौरान अगर अपनी भाषा(ओं) से अलग भाषा(ओं) के प्रति हमारे रवैये में एक बदलाव आने लगे तो यह इस कार्यक्रम की सफलता का संकेत होगा।** बच्चों में ये समझ बन पाए कि देश (और संसार) में अनेक भाषाएँ हैं और ये भाषाएँ उतनी ही सक्षम और सुन्दर हैं जैसे की उनकी भाषा। भाषाओँ के प्रति प्रेम और आदर इस समझ से ही पनप सकता है। हमारे आकलन के तरीके भी इस समझ को पहचानें – यह ज़रूरी है। आकलन का सन्दर्भ ऐसा ही हो जिसमें बच्चे भाषा के इस्तेमाल का आनंद ले सकें।

बीस दिन के केन्द्रित भाषा कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिक्रियाओं, भागीदारी और उत्साह का आप अवलोकन करें। आप अपनी टिप्पणियों को एक नोटबुक में दर्ज करते रहें। अगर आपने महीना भर कक्षा में नयी भाषा के लिए माहौल बनाया है तो अवलोकन करना मुश्किल नहीं होगा। आकलन आप तीन स्तरों पर कर सकते हैं।

- कक्षा
- समूह या जोड़ों में

- हर बच्चे का

कार्यक्रम के सन्दर्भ में सुझाए गए इन वाक्यों के आधार पर बच्चों का आकलन सम्बंधित भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर किया जा सकता है। वाक्यों को कई विषय-वस्तुओं में बाँधा गया है। इस तरह से हर विषय-वस्तु बातचीत का एक सुदृढ सन्दर्भ देती है। नीचे दिए हुए पांच प्रश्न भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित हैं। **सम्बंधित भाषा की ध्वनियाँ, उसके शब्द, संदर्भ में शब्दों का अर्थ, कुछ मुख्य शब्दों को पहचान कर संदर्भ का अनुमान लगा पाना, संदर्भ में प्रश्न पूछ पाना। जैसे पहलू आकलन में शामिल हों।**

ध्यान दें कि यह आकलन किसी भी तरह से बच्चों की स्मरण शक्ति की जांच नहीं है। वैसे ही शुद्ध उच्चारण पर ज्यादा बल नहीं देना चाहिए क्योंकि किसी भी भाषा के उच्चारण में प्रांतीय प्रभाव स्वाभाविक है।

प्रश्न 1. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा के वाक्यों को अन्य भाषाओं के वाक्यों से अलग सुन पाता है?

प्रश्न 2. क्या बच्चा (सुझाए गए इन वाक्यों में से) सुन कर विषय-वस्तु का अनुमान लगा पाता है?

प्रश्न 3. क्या बच्चा सुझाई गयी विषय-वस्तुओं पर केन्द्रित बातचीत के मुख्य शब्दों के अर्थ बता पाता है?

प्रश्न 4. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे पाता है?

प्रश्न 5. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से संदर्भ बताने पर क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में प्रश्न पूछ पाता है?

ऊपर दिए गए प्रश्नों के जवाब पाने के लिए नीचे कुछ आकलन के तरीके सुझाए जा रहे हैं। आप इनको अपनी ज़रूरत और संदर्भ के हिसाब से बदल सकते हैं। आप उन बदलावों का या अपने बनाये तरीकों का विस्तृत विवरण ज़रूर रखें। तीन या चार भाषाओँ के ऑडियो क्लिप बच्चों या बच्चे को सुनवाएं। सीखी जा रही भाषा के ऑडियो क्लिप को पहचानने के लिए कहें।

1. सम्बंधित भाषा में एक विषय-वस्तु पर बातचीत आप सुनाएं या दो बच्चों को रोले-प्ले करने के लिए कहें या फिर ऑडियो प्ले करें। बच्चों या बच्चे को बातचीत की विषय-वस्तु बताना है।
2. बातचीत की विषय-वस्तु बताने पर आप बच्चों या बच्चे से बातचीत में आए ऐसे शब्द और उनके अर्थ बताने के लिए कहें जिनके आधार पर उन्होंने विषय-वस्तु का अनुमान लगाया।
3. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से किसी में से आप प्रश्न पूछें। बच्चे या बच्चा उस प्रश्न का उसी भाषा में जवाब दें।
4. आप एक सन्दर्भ का उल्लेख करें और बच्चों या बच्चे से पूछें की वे/वो सीखी जाने वाली भाषा में सन्दर्भ से जुड़ी बातचीत बताएं।

यह अच्छा होगा कि ये सभी गतिविधियाँ पहले पूरी कक्षा के साथ खेल-खेल में की जाएँ। बच्चों की अनुमान लगा पाने और अर्थ खोज पाने और समझने की क्षमता को सराहें। ये, दो कारणों से ज़रूरी है। भाषा की नींव अर्थ में हैं। दूसरा, रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में बहुभाषिकता में सटीकता पर ज़ोर न हो कर एक-दूसरे को समझने की कोशिश होती है। कक्षा में भी हम समझने की कोशिश करें कि बच्चे क्या बताना चाह रहे हैं।

Ek Bharat Shreshtha Bharat
Bhaashaa Sangam

We live in a country where language changes after a few kilometers. We appreciate, understand, listen to and speak more than one language. This is a beautiful aspect of our society and country. The students come to school with more than one language. There is a possibility that the language prevalent at the school may not be present in the child's social environment. This social reality must be recognised at school level.

Respecting the diversity and to keep all languages connected with one another, ***Bhaashaa Sangam*** under the programme, ***Ek Bhaarat, Shreshtha Bharat*** has been conceptualized. ***Bhaashaa Sangam*** reflects and realises the vision of the Indian Constitution on languages, linguistic and cultural diversity. This is a step towards creating an awareness and encouraging our students towards multilingualism. Consequently, students will not only become aware, but also understand socio-cultural behaviors of people using languages.

Objectives of Bhaashaa Sangam

- To familiare students with the 22 Indian languages of the 8th schedule of the Indian Constitution.
- To foster lingustic harmony among students and promote national integration through learning of languages.
- To bring students closer to the unique cultural hues and diversity of our country through languages.

Implementation of *Bhaashaa Sangam*

In the first programme of *Bhaashaa Sangam*, students were exposed to and given opportunities to learn five sentences from the 22 scheduled languages. As a result, students developed curiosity to learn more about the languages and attempted to know more about the cultural, social as well as linguistic background of people who speak these languages. In this programme of *Bhaashaa Sangam,* students are being given bunches of about 100 sentences in the 22 languages. Appropriate environment needs to be created before introducing students to these sentences, so that these sentences can be learnt with ease and spontaneity. We believe that students will go beyond and become familiar with the languages.

- This programme will be operated and executed in all the states and union territories by the Education Department.
- All the 22 languages of the Indian Constitution are included in this programme. Short and simple sentences used in day-to-day life contexts have been prepared for this programme. These sentences are shared with schools, teachers and students in the form of audio, video with Indian Sign Language (ISL) and print booklet.

Presentation of the booklet

- The sentences given in this booklet are in dialogue form. These sentences are relevant and based on the subjects /topics from the daily lives of students.
- The sentences are presented in the following way: **i.** In the Indian language, **ii.** In Devanagari script, **iii**. In Hindi, **iv.** In Roman script and **v.** In English.
- 20 working days have been assigned to understand and practice the sentences in different topics for one language.
- Allocation of days has been suggested for every topic and the sentences under each topic. If sentences are more for a topic, number of days can be increased for practice as required.
- Process for preparation of a conducive environment should start one month prior to the formal introduction of the sentences.
- To achieve the desirable objectives, the same content can be practiced and repeated in the following months.
- For documentation of this project and motivation of the schools, there are some suggestions. For example, schools can upload pictures and videos of principal activities/ daily exercises of students. Education Departments, C.E.Os, D.E.O., B.E.Os in the States and Union Territories can also upload the pictures or videos of these activities at the Block / Centre /Zonal or State levels. Ministry of Education (MoE), School Education and Literacy Department, Government of India can select best school, best block, best district, best state / union territory on the basis of these pictures / videos and confer prizes to them.
- If a student knows the language of the neighbouring state (reading, writing, speaking), s/he should be encouraged to help other students learn the same. Similarly, if a teacher, parent any other government servant or any other person knows some other language they can be invited to read out the sentences for students.
- Proposed activities must be conducted in conducive and interesting environment, so that the students can use the language they are learning in their daily conversation. This can also create a fun atmosphere. Teachers should also participate in the conversations.

Proposed activities

There are about 100 sentences from different topics. **States / School systems can select a language of another state, practice and speak in the same language.**

- The dialogues / conversations will be practiced and done during the morning assembly and as and when students find time to do so.
- Students should be encouraged to prepare posters, infographics of depicting these sentences and display them on the notice boards or on walls in the schools.
- Teachers may address students in the same language to encourge them to use the language.
- Students would be encouraged to share these sentences with their family members and neighbours too.
- Activities related to this project can be organized at school level.
- To create further interest in the language, folk songs, popular songs, poems and game-songs can also be used.
- During the teaching of subjects like Languages, Geography, History and Science these sentences can be used at appropriate places in the right context as the sentences are relevant to the subjects and for students.

To conduct this programme efficiently in our schools we can prepare in the following ways

- The Head of School and all the teachers must read the content related to this programme. After reading the content, there should be a discussion about various aspects of the programme. This programme is to promote multilingualism, so a shared vision has to be developed.
- The participation of parents is essential for the success of the programme. Parents should be made aware of the programme through Parent Teacher Meetings (PTM). They should be encouraged to share their ideas and suggestions.
- For making this programme a success, it is important that everyone in the school must be aware of their responsibility. One of the teachers teaching classes 4th to 8th should take the responsibility as a coordinator and two or three teachers can take up the role of co-coordinators.

Preparation for multilingual class: Creating environment in the classroom

This programme will enable the students to experience a language that they might not have heard of in school. Probably, they may have heard the name of the language, but might not have any experience of listening to it. This language can not only be unfamiliar, but the

sounds, the voice modulations, all these can be very new to them. Students and teachers will have to familiarize themselves with the sounds and pronunciation of the language. We can spend an entire month on the same and enjoy listening to the new language. This engagement will result in friendship with the language.

Stress free, informal environment should be created with ample use of songs, games, popular folk songs and appropriate film songs. Riddles and jokes should not be left behind, especially those in which sounds and words are used in a playful manner. Materials will be made available to you but feel free to use resources from internet. Enjoy speaking, listening, playing, muttering and singing. No material is better than our enthusiasm and fun. We don't need to invest too much time in classroom for this. 10 to 15 minutes twice a day are enough. We should be well prepared. These 10 to 15 minutes can be scheduled whenever the students have time, after the lunch- break or in the last period. All efforts are only to make the ears habitual of listening to the new language and enjoy it. It has to be informal. No formal testing or evaluation should be done.

- During this period we may need some resources which will help us to create the right environment to learn a new language in the class. A list of such sources is enlisted here where we can find materials in different languages:
  - National Council of Educational Research and Training
  - State Council of Educational Research and Training
  - District Institutes for Education and Training
  - Centre for Cultural Resources and Training
  - Children Film Society
  - National Book Trust
  - Any other institution interested in Bhasha Sangam.

Process of learning: Children's responses

When children listen to a new language that they may not have heard earlier, they would respond differently. It is a possibility that at the earnest, some students may not show any interest in the language as they may find it strange, some may find it amusing and some others may even make fun of it. We should be prepared for all kinds of responses. The respect, interest and enthusiasm displayed by us, while introducing the new language to the students, will guide development of their attitude towards it.

Creative assessment

During assessment, it would be helpful to keep in mind that the objective of this programme is not to teach students the language; it is not possible in twenty days. Listening to these sentences of the reference language is attributed to listening of the language. Moreover, the objective of this programme is not rote memorization of these sentences. Rather, the change in our attitude towards a language that is different from the one that we are familiar with during the programme will be the signal of its success. The emergence of understanding among students that there are diverse languages in our country (and in the world) and are equally accomplished as well as beautiful as their own language will lead to love and respect for all languages. It is important that our assessment procedures should be able to recognize this understanding. The reference of assessment should be such that students are able to enjoy the usage of language.

During the programme for 20 days, we should observe the responses, participation and enthusiasm of students. Keep recording of your comments in a notebook. If we have been able to create a conducive environment for acquiring a new language during the initial month, then observation will not be a difficult task. We can do the assessment at three levels:

- As whole class group
- In small groups or pairs
- At individual student level

With reference to the programme, assessment on the basis of suggested sentences can be done on different aspects of the language. Sentences have been categorized in different topics. In this manner, every topic provides a novel context for communication. The five questions mentioned below, focus on various aspects of the language. Assessment can include words, meaning of words and sounds in context, identification of some prominent words and guessing their meaning in context, asking questions by referring to the context of the language. This assessment does not judge the memory power of the students in any way. Similarly, there should not be too much emphasis on correct pronunciation as regional variations in pronunciation of any language is obvious.

Question 1. Can students listen and differentiate between sentences of the reference language from other languages?

Question 2. Can students guess the context/ topic by listening to the suggested 100 sentences?

Question 3. Are the students able to come up with meanings of prominent words from the suggested topics in focused discussions?

Question 4. Can students answer the questions asked in the reference language?

Question 5. Can students ask a question from the suggested topics in the reference language, after becoming aware of the context?

Some suggested methods for assessment of aforementioned questions are given below. You can change them according to the need

and the context. Keep a detailed record of the changes or self-created methods used for assessment.

- Make students listen to 3 or 4 audio clips of different languages. Ask them to identify the audio clip of language they are learning.
- Let students listen to the conversation on a topic from the reference language or ask two students to perform a role play or play an audio clip. Students should be able to identify the subject or topic of the conversation.
- When students are able to identify the topic/ subject of conversation, ask them to reveal the words and their meanings that enabled them to guess the topic/ subject.
- Ask a question in the reference language from the suggested topics/ subjects. The students should be able to reply to the question in the same language.
- Give reference to a topic/ subject. Ask the students to carry on with the conversation in the same language.

It will be a good practice that all these activities are conducted in the classroom in play-way manner. Appreciate capacity for guessing, finding the meaning and understanding of the students. It is important for two reasons. The first is that the foundation of a language is inherent in finding the meaning of the utterances. The second is that everyday life does not focus on precision in multilingualism but on attempting to understand each other. Similarly, we should also try to understand what students want to convey.

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
पहिरियो ड्डींहुं वाक़िफ़ियत	**पहिरियो ड्डींहुं वाक़िफ़ियत**	**पहला दिन जान-पहचान**	**Pahiriyon Dinhun Vakifiyat**	**First day Introduction/ Familiarisation**
तव्हांजो नालो छा आहे?	तव्हांजो नालो छा आहे?	आपका नाम क्या है?	Tawhanjo Naalo Chha aahe?	What is your name?
मुंहिंजो नालो मुस्कान आहे।	मुंहिंजो नालो मुस्कान आहे।	मेरा नाम मुस्कान है।	Munhinjo naalo Muskan aahe.	My name is Muskan.
तव्हां कहिड़ी कक्षा में पढ़ंदियूं /पढ़ंदा आहियो?	तव्हां कहिड़ी कक्षा में पढ़ंदियूं /पढ़ंदा आहियो?	आप किस कक्षा में पढ़ती/ पढ़ते हैं?	Tawhan Kahire kaksha me parhandiyun/ parhanda aahiyo? Tawhan kahire darze me parhandiyun/ parhanda aahiyo.	Which class do you study in?

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
मां कक्षा अठें में पढ़दी/पढ़ंदो आहियां। / मां अठें दर्जे में पढ़ंदी/पढ़ंदो आहियां।	मां कक्षा अठें में पढ़दी/पढ़ंदो आहियां। / मां अठें दर्जे में पढंदी/पढ़ंदो आहियां।	मैं कक्षा आठ में पढ़ती/पढ़ता हूँ।	Maan Kaksha athen me parhandi/ padhando aahiyan. Maan athen darze me parhandi/padhando aahiyan.	I study in Class VIII.
तव्हांजे माता-पिता जो नालो छा आहे?	तव्हांजे माता-पिता जो नालो छा आहे?	आपके माँ-पिता का क्या नाम है?	Tawhanje mata-pita jo naalo chha aahe?	What are your the of parent's names?
मुंहिंजी माता जो नालो कुसुम ऐं पिता जो नालो प्रकाश आहे।	मुंहिंजी माता जो नालो कुसुम ऐं पिता जो नालो प्रकाश आहे।	मेरी माँ का नाम कुसुम और पिता का नाम प्रकाश है।	Munhinji mata jo naalo kusum ain pita jo naalo prakash aahe.	My father's name is Mrs. Kusum and my Mr. father's name is Prakash.
तव्हां किथे रहंदियूं/रंहदा आहियो?	तव्हां किथे रहंदियूं/रंहदा आहियो?	आप कहाँ रहती/रहते हैं?	Tawhen kithe rahandiyun/rahanda aahiyo?	Where do you live?

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
मां अयोध्या में रहंदी/रहंदो आहियां।	मां अयोध्या में रहंदी/रहंदो आहियां।	मैं राँची में रहती/रहता हूँ।	Maan Ayodhya Me rahandi/rehendo aahiyan.	I live in Ayodhya.
ब्रियों ऐं टियों ड्रींहुं मुंहिंजो स्कूलु	**ब्रियों ड्रीहुं ऐं टियों ड्रींहुं मुंहिंजो स्कूलु**	**दूसरा और तीसरा दिन मेरा विद्यालय**	**Biyo ain Tiyon Dinhun parhanu**	**Second & third day My School**
तव्हां जे स्कूल जो नालो छा आहे?	तव्हां जे स्कूल जो नालो छा आहे?	आपके विद्यालय का नाम क्या है?	Tawhanje School jo Naalo chha aahe?	What is the name of your school?
मुंहिंजे स्कूल जो नालो राजकीय बाल विद्यालय आहे।	मुंहिंजे स्कूल जो नालो राजकीय बाल विद्यालय आहे।	मेरे विद्यालय का नाम राजकीय बाल विद्यालय है।	Munhinje school jo naalo Rajkiya baal vidyalaya aahe.	The name of my school is Rajkiya Bal Vidyalaya.
तव्हांजो/तव्हांजी क्लास टीचर कहिड़ो विषय पढ़ाईंदो / पढ़ाईंदी आहे?	तव्हांजो/तव्हांजी क्लास टीचर कहिड़ो विषय पढ़ाईंदो / पढ़ाईंदी आहे?	आपके कक्षा अध्यापक कौन-सा विषय पढ़ाते हैं?	Tawhanjo/Tawhanji class-teacher kahiro vishay parhaeendo/ parhaeendi aahe?	What subject does your class teacher teach?

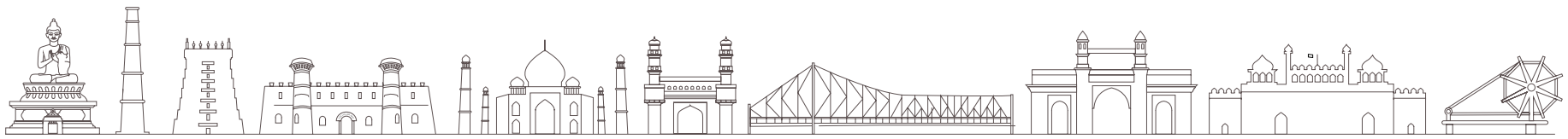

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
मुंहिंजो/ मुंहिंजी क्लास टीचर सिंधी भाषा पढ़ाईंदो/पढ़ाईंदी आहे।	मुंहिंजो/ मुंहिंजी क्लास टीचर सिंधी भाषा पढ़ाईंदो/पढ़ाईंदी आहे।	मेरे कक्षा अध्यापक सिंधी भाषा पढ़ाते हैं।	Munhinjo/munhinji class-teacher sindhi bhasha parhaeendo/ parhaeendi aahe.	Our class teacher teaches Sindhi language.
तव्हां जी कहिड़े विषय में वधीक रुचि आहे?	तव्हां जी कहिड़े विषय में वधीक रुचि आहे?	आपकी किस विषय में अधिक रुचि है?	Tawhanji kahire vishay me vadheek ruchi aahe?	Which subject interests you the most?
मूंखे भाषा पढ़णु सुठो लगंदो आहे।	मूंखे भाषा पढ़णु सुठो लगंदो आहे।	मुझे भाषा पढ़ना अच्छा लगता है।	Munkhe Bhasha Parhanu Sutho lagando aahe?	I like learning language.
तव्हां खे भाषा पढ़णु छो सुठो लगंदो आहे?	तव्हां खे भाषा पढ़णु छो सुठो लगंदो आहे?	आपको भाषा पढ़ना क्यों अच्छा लगता है?	Tawhan khe bhasha parhanu chho sutho lagando aahe?	Why do you like learning languages?
हिन में कविताऊं हूंदियूं आहिनि/हिन में कहाणियूं हूंदियूं आहिनि/ हिन में नाटक हूंदा आहिनि।	हिन में कविताऊं हूंदियूं आहिनि/हिन में कहाणियूं हूंदियूं आहिनि/ हिन में नाटक हूंदा आहिनि।	इसमें कविताएँ होती हैं, इसमें कहानियाँ होती हैं, इसमें नाटक होते हैं।	hin me kavitaun hundiyan aahini/ hin me kahaniyun hundiayan aahini/ hin me natak hunda aahini	I like learning languages because they have poetries, stories and dramas.

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
हा, हा, नाटक त असां बि खेड्डी सघंदा आहियूं।	हा, हा, नाटक त असां करे बि खेड्डी सघंदा आहियूं।	हाँ-हाँ, नाटक तो हम खेल भी सकते हैं।	Ha, Ha natak ta asaan bi khedi saghanda aahiyun.	Yes, we can play dramas.
तव्हां कहिड़ियूं- कहिड़ियूं भाषाऊं ग़ाल्हाए सघंदा/ सघंदियू आहियो?	तव्हां कहिड़ियूं- कहिड़ियूं भाषाऊं ग़ाल्हाए सघंदा/ सघंदियू आहियो?	आप कौन-कौन सी भाषायें बोल सकते हैं?	Tawhan kahiriyun-kahiriyun bhashayun galhaye saghanda/ saghandiyun aahiyo?	Which languages can you speak?
मां सिंधी, हिंदी, अंग्रेज़ी, गुजराती ऐं मराठी ग़ाल्हाए सघंदो/सघंदी आहियां।	मां सिंधी, हिंदी, अंग्रेज़ी, गुजराती ऐं मराठी ग़ाल्हाए सघंदो/सघंदी आहियां।	मैं सिंधी, हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती और मराठी बोल सकती/सकता हूँ।	Maan sindhi, hindi, angrezi, gujarati ain marathi galhaye saghando/saghandi aahiyan.	I can speak Sindhi, Hindi, English, Gujarati and Marathi.
चोथों ड्डींहुं घरु जिमेदारी	**चोथों ड्डींहुं घरु जिमेदारी**	**चौथा दिन मेरे माता-पिता**	**Chothon dinhun Gharu jimedaari**	**Fourth day My Parents**
तव्हां जे घर में खाधो केरु ठाहींदो/ठाहींदी आहे?	तव्हां जे घर में खाधो केरु ठाहींदो/ठाहींदी आहे?	आपके घर में खाना कौन बनाता है?	Tawhanje ghar me khaadho keru thaheendo/thaheendi aahe?	Who cooks food in your house?

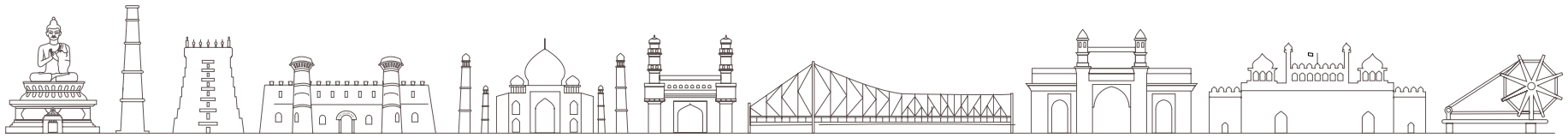

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
अमां ऐं बाबा ब्रई खाधो ठाहींदा आहिनि।	माउ ऐं पीउ ब्रई खाधो ठाहींदा आहिनि।	माँ और पिताजी दोनों खाना बनाते हैं।	amaan ain baba bayi khaadho thahinda aahini.	Both my father and my mother cooks food in our house.
तव्हांखे स्कूल केरु पहुचाईंदो/ पहुचाईदी आहे?	तव्हांखे स्कूल केरु पहुचाईंदो/ पहुचाईदी आहे?	आपको स्कूल कौन पहुँचाता है?	Tawhankhe school keru pahuchaeendo/ pahuchaeendi aahe?	Who drops you at school?
मूंखे स्कूल पहुचाइण कड्हिं अमां ऐं कड्हिं बाबा हलंदा आहिनि।	मूंखे स्कूल पहुचाइण कड्हिं माउ ऐं कड्हिं पिता ईंदा आहिनि।	मुझे स्कूल छोड़ने कभी माँ कभी पिताजी आते हैं।	Munkh school pahuchain kadahin amaan ain kadahin baba halanda aahini.	Sometimes my father and sometimes my mother drop me at school.
पैरंट-टीचर मीटिंग में केरु ईंदो आहे?	पैरंट-टीचर मीटिंग में केरु ईंदो आहे?	अभिभावक-शिक्षक (पैरंट-टीचर) मीटिंग में कौन आता है?	Parent-teacher meeting men keru indo aahe?	Who comes to attend parent-teacher meetings?

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
पैरंट-टीचर मीटिंग में कड़ुहिं अमां सें कड़ुहिं बाबा ईंदा आहिनि।	कड़ुहिं माउ सें कड़ुहिं पिता ईंदा आहिनि।	पी.टी.एम. में कभी-कभी माँ और कभी पिताजी आते हैं।	Kadahin maau ain kadahin pita inda aahin.	Sometimes my father and sometimes my mother come to the PTM.
पंजो ड़ींहुं खाधो-पीतो	**पंजो ड़ींहुं खाधो-पीतो**	**पाचवाँ दिन खान-पान**	**Panjon dihun Khadho-pito**	**Fifth day Food**
तव्हांखे खाधे मे छा पसंद आहे?	तव्हांखे खाधे मे छा पसंद आहे?	आपको खाने में क्या पसंद है?	Tawhankhe Khadhe men chha pasand aahe?	What do you like to eat mostly?
मूंखे खिचड़ी खाइण पसंद आहे।	मूंखे खाधे में खिचड़ी पसंद आहे।	मुझे खिचड़ी खाना पसंद है।	Munkhe Khadhe men Khichari Pasand aahe.	I like to eat khichdi.
तव्हांजे इलाके में कहिड़ो फलु वधीक मिलंदो आहे?	तव्हांजे इलाके में कहिड़ो फलु वधीक मिलंदो आहे?	आपके इलाक़े में कौन सा फल ज़्यादा मिलता है?	Tawhanje ilaake men kahiro falu vadheek milando aahe?	Which fruit is plentily available in your area?

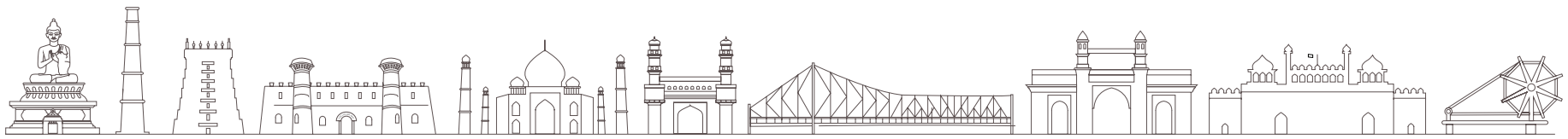

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
असांजे इलाके में जेतूनु ऐं पपायो वधीक मिलंदा आहिनि पर मूंखे केलो पसंद आहे।	असांजे इलाके में जेतूनु ऐं पपायो वधीक मिलंदा आहिनि पर मूंखे केलो पसंद आहे।	हमारे यहाँ अमरूद, पपीता ज़्यादा मिलते हैं लेकिन मुझे केला पसंद है।	Asanje ilaake men jetunu ai papayo vadheek milanda aahini par munkhe kelo pasandu aahe.	Guava and Papaya are available in my area, but I like Banana the most.
छहों ड़ींहुं तंदुरुस्ती	**छहों ड़ींहुं तंदुरुस्ती**	**छठा दिन सेहत**	**Chhahon dihun tandurusti**	**Sixth day Health**
तव्हां सुबुहु कड़हिं जाग़ंदा/ जागंदी आहियो?	तव्हां सुबुहु कड़हिं जाग़ंदा/ जागंदी आहियो?	आप सुबह कब जागते हैं?	Tawhan subuhu kadahin jaganda/ jagandi aahiyo?	At what time do you wake up in the morning?
मां सुबुहु छहें वज़े जागंदी/ जाग़ंदो आहियां।	मां सुबुहु छहें वज़े जागंदी/ जाग़ंदो आहियां।	मैं सुबह छ: बजे उठती/उठता हूँ।	Maan subuhu chhahen vaje jagandi/ jagando aahiyan.	I wake up at six O'clock in the morning.
छा तव्हां रोज़ कसरत कंदा आहियो?	छा तव्हां कसरत कंदा आहियो?	क्या आप प्रतिदिन कसरत करते हैं?	Chha tawhan kasarat kanda aahiyo	Do you do exercise everyday?

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
हा, मां योग कंदी/कंदो आहियां।	हा, मां योग कंदो/ कंदी आहियां।	हाँ! मैं योग करती/करता हूँ।	Ha man yog kando/ kandi aahiyan.	Yes, I practice yoga.
छा तव्हांजे स्कूल में योग जी मास्तर्याणी आहे?	छा तव्हांजे स्कूल में योग जी मास्तर्याणी आहे?	आपके स्कूल में कोई योग शिक्षक/शिक्षिका हैं?	Chha tawhanje school men yog jishikshak aahe?	Is there a yoga teacher in your school?
हा असांजे स्कूल में योग जी मास्तर्याणी आहे।	हा असांजे स्कूल में योग जी मास्तर्याणी आहे।	हाँ, हमारे स्कूल में योग शिक्षक हैं।	Ha, asanje school men yog ji mastariyani aahe.	Yes, we have a yoga teacher in our school.
हूअ असांखे योग ऐं कसरत सेखारींदी आहे।	हूअ असांखे योग ऐं कसिरत सेखारींदी आहे।	वे हमें योग और दूसरे व्यायाम सिखाती/सिखाते हैं।	Hua asankhe yog ain kasarat sikhareendi aahe.	She teaches us yoga and other excercises.
सतों ड़ींहुं रांदि	**सतों ड़ींहुं रांदि**	**सातवाँ दिन खेल-कूद**	**Sato dinhun Raandi**	**Seventh day Games and Sports**
छा तव्हांखे खेड़ुणु पसंद आहे?	छा तव्हांखे खेड़ुणु पसंद आहे?	क्या आपको खेलना पसंद है?	Chha, tawhankhe Khedanu Pasand aahe?	Do you like to play?

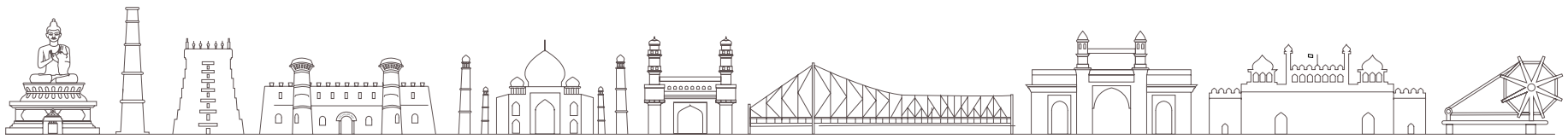

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
मूंखे फुटबाल खेडुणु पसंद आहे।	मूंखे फुटबाल खेडुणु पसंद आहे।	हाँ, मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है।	Munkhe football khedanu pasand aahe	Yes. I like to play football.
मूंखे इनडोर रांदि पंसद आहे ऐं तव्हांखे?	मूंखे इनडोर रांदि पंसद आहे ऐं तव्हांखे?	मुझे इनडोर गेम पसंद है और आपको?	Munkhe indoor raandi pasand aahe ain tawhankhe?	I like indoor games. What about you?
हा, मूंखे बि। मां टेबिल-टेनिस खेडुंदी/खेडुंदो आहियां।	मूंखे बि। मां टेबिल-टेनिस खेडुंदो / खेडुंदी आहियां।	मुझे भी। मैं टेबल-टेनिस खेलता/खेलती हूँ।	Munkhe bi, maan Table-tennis khedando/Khedandi aahiyan.	Mee too. I play table tennis.
छा तव्हां वीडियो गेम खेडुंदियूं/ खेडुंदा आहियो।	छा तव्हां वीडियो गेम खेडुंदियूं/ खेडुंदा आहियो।	क्या आप वीडियो गेम खेलती हैं?	Chha tawhan video game khedandiyun/ khedanda aahiyo.	Do you play video games?
न, मूंखे वीडियो गेम पसंद न आहे। मूंखे बाहिर खेडुणु पसंद आहे। जीअं, कबड्डी।	न, मूंखे वीडियो गेम पसंद न आहे। मूंखे बाहिर खेडुणु पसंद आहे। जीअं, कबड्डी।	नहीं, मुझे वीडियो गेम पसंद नहीं है। मुझे बाहर खेलना पसंद है जैसे कबड्डी।	Na, mukhe video game pasand na aahe. Munkhe baahir khedanu pasand aahe. Jiyan-kabaddi.	No, I don't like video games. I like to play outdoor games, like Kabaddi.

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
अठों /नाओं ऐं डुहों डींहुं असांजे आस-पास	**अठों /नाओं ऐं डुहों डींहुं असांजे आस-पास**	**आठवाँ, नौवाँ और दसवाँ दिन हमारे आस-पास**	**Atho /Naaon ain dahon dinhun Asanje Aas-Pas**	**Eighth, Ninth and Tenth day Our Surroundings**
तव्हांजे इलाके में कहिड़ी नदी वहंदी आहे?	तव्हांजे इलाके में कहिड़ी नदी वहंदी आहे?	आपके क्षेत्र में कौन-सी नदी बहती है?	Tawhanje ilaake men kahiri nadi vahandi aahe?	Which river flows in your area?
मुंहिंजे इलाके में सरयू नदी वहंदी आहे।	मुंहिंजे इलाके में सरयू नदी वहंदी आहे।	मेरे क्षेत्र में सरयू नदी बहती है।	Munhinje ilaake men sarayu nadi vahandi aahe.	River Sarayu flows in our area.
हुनजे किनारे तमाम घणा बाग आहिनि	हुनजे किनारे तमाम घणा बाग आहिनि	उसके किनारे बहुत सारे बगीचे हैं।	Hunje kinaare tamaamu ghana baag aahini.	There are many gardens on banks of it.
असां हुते घुमण वेंदा आहियूं।	असां हुते घुमण वेंदा आहियूं।	हम सब वहाँ घूमने जाते हैं।	asaan hute ghumana venda aahiyun.	We go there for a stroll.

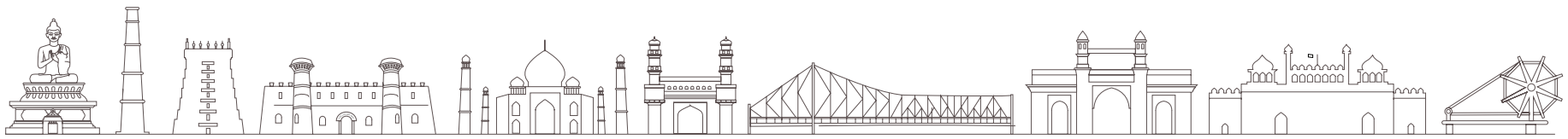

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
तव्हां किथे घुमण वेंदा आहियो?	तव्हां किथे घुमण वेंदा आहियो?	आप कहाँ घूमने जाते हैं?	Tawhan kithe ghumanavenda aahiyo?	Where do you go for a stroll?
असां पार्क में घुमण वेंदा आहियूं।	असां पार्क में घुमण वेंदा आहियूं।	हम पार्क में घूमने जाते हैं।	Assan park men ghumama venda aahiyun.	We go to the park for a stroll.
असांजे शहर जे ब्राहिरि हिकु जबलु आहे।	असांजे शहर जे ब्राहिरि हिकु जबलु आहे।	हमारे शहर के बाहर एक पहाड़ है।	assanje shahar je baahiri hiku jabalu aahe.	There is a mountain outside our city.
ही घुमण लाइ तमाम सुठो हंधु आहे।	ही घुमण लाइ तमाम सुठो हंधु आहे।	यह घूमने की बहुत अच्छी जगह है।	Hi ghuman lai tamamu sutho handhu/aahe.	This is a nice place to move around.
छा तव्हां जे ग़ोठ में ब्रनियूं आहिनि?	छा तव्हां जे इलाके में ब्रनियूं आहिनि?	आपके गांव में खेत हैं?	Chha tawhanje ilaake men kheta/baniyun aahini?	Are there fields in your village?

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
हा, असांजे ग़ोठ में घणियूं ब़नियूं आहिनि।	हा, असांजे इलाके में घणियूं ब़नियूं आहिनि।	हाँ हमारे गांव में बहुत खेत हैं।	Ha, asanje ilaake men ghaniyun baniyun aahini.	Yes, these are many fields in our village.
हुते झंगल बि आहे।	हुते झंगल बि आहे।	वहाँ जंगल भी है।	Hute Jhangal bi aahe.	There is also a jungle there.
हुन झंगल में हिकु झरिणो आहे।	हुन झंगल में हिकु झरिणो आहे।	उस जंगल में एक झरना है।	Huna Jhangal men hiku jharino aahe.	There is a stream in the jungle.
छा तव्हां झरिणो ड़िठो आहे?	छा तव्हां झरिणो ड़िठो आहे?	आपने झरना देखा है?	Cha tawhan jharino ditho aahe?	Have you seen a stream?
न, मां ड़िसणु चाहींदी/चाहींदो आहियां।	न, मां ड़िसणु चाहींदी/चाहींदो आहियां।	नहीं, मैं देखना चाहूँगी/चाहूँगा।	Na, maan disanu chhahindi/chhahindo aahiyan.	No, I would like to see one.
असांजे ग़ोठ अचिजाईं, मां तोखे झरिणो ड़ेखारींदसि/ ड़ेखारींदुसि।	असांजे ग़ोठ अचिजाईं, मां तोखे झरिणो ड़ेखारींदसि/ ड़ेखारींदुसि।	हमारे गाँव आना, मैं तुम्हें झरना दिखाउँगी/ दिखाऊँगा।	Asanje gotha achijain, maan tokhe jharino dekharindasi/ dekharindusi.	Come to our village, I will show you a stream.

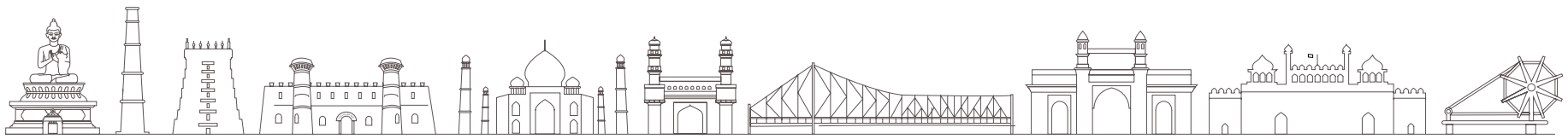

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
यारहों ड॒ींहुं मुंद	**यारहों ड॒ींहुं मुंद**	**ग्यारहवाँ दिन मौसम**	**Yarahon dihun Munda**	**Eleventh day Weather**
उफ़ अज॒ु ड॒ाढी गर्मी थी रही आहे। हाणे बारिश थियणु खपे।	उफ़ अज॒ु ड॒ाढी गर्मी थी रही आहे। हाणे बरसात थियणु खपे।	उफ़ ! आज बहुत गर्मी हो रही है। अब बारिश होनी चाहिए।	Ufa aju daadhi garmi thi rahi aahe. Haane Barsaat thiyanu khape.	Oh! It's too hot today. I wish it rains now.
तव्हां जे इलाके जी मुंद कीअं आहे?	तव्हां जे इलाके जी मुंद कीअं आहे?	आपके क्षेत्र में मौसम कैसा है?	Tawhanje ilaake ji munda kiyan aahe?	How is the weather (like) in your area?
हितां /हुतां जी मुंद घणोकरे सामान्य या गरम रहंदी आहे।	हितां /हुतां जी मुंद सामान्य या गरम रहंदी आहे।	यहाँ का मौसम ज़्यादातर सामान्य या गरम रहता है।	Hitanji munda ghadokare samanya ya garam rahandi aahe.	The weather there is moderate or hot generally?
छा तव्हां रेगिस्तान ड॒िठो आहे?	छा तव्हां रेगिस्तान ड॒िठो आहे?	क्या आपने रेगिस्तान देखा है?	Chha tawhan registaan ditho aahe?	Have you seen a desert?

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
न, मूं रेगिस्तान न ॾिठो आहे।	न, मूं रेगिस्तान न ॾिठो आहे।	नहीं, मैंने रेगिस्तान नहीं देखा।	Na, mun registaan na ditho aahe.	No, I have not seen a desert.
हुते त ॾाढी गर्मी हूंदी आहे।	हुते त ॾाढी गर्मी हूंदी आहे।	वहाँ तो बहुत गर्मी होती है।	Hute ta daadhi garmi hundi aahe.	It's very hot there.
हा, पर राति जो वारी थधी थी वेंदी आहे।	हा, पर राति जो वारी थधी थी वेंदी आहे।	हाँ, लेकिन रात में रेत ठंडी हो जाती है।	Ha, par raati jo vaari thadhi thi vendi aahe.	Yes, but the sand becomes cold at night.
मां बि रेगिस्तान ॾिसण चाहींदो /चाहींदीआहियां।	मां बि रेगिस्तान ॾिसण चाहींदो /चाहींदीआहियां।	मैं भी रेगिस्तान देखना चाहता हूँ।	Maan bi registaan disani chahindo/ chahindi aahiyan.	I would like to see the desert.
मां पोयुंनि ऊन्हारे जी मोकलुनि में पंहिंजे परिवार सां गॾु जबलनि ते घुमण वई हुयसि/ वियो होसि।	मां पोयुंनि ऊन्हारे जी मोकलुनि में पंहिंजे परिवार सां गॾु जबलनि ते घुमण वई हुयसि / वियो होसि।	मैं पिछली गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ पहाड़ों पर घूमने गयी/गया था।	Man poyunni oonahare ji mokilun me pahinje pariwaar saan gadu jabalani te ghuman vai hosi/viyo hosi.	Last summer holidays I had visited the hills with my family.

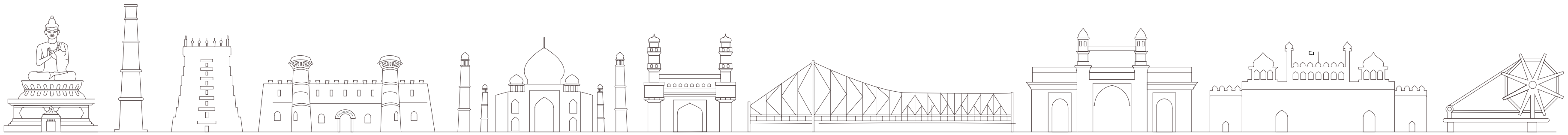

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
हुते सियारनि में घणी बर्फ किरंदी आहे।	हुते सियारनि में घणी बर्फ किरंदी आहे।	वहाँ सर्दियों में बहुत बर्फ़ गिरती है।	Hute siyarani me ghani burfa kirandi aahe.	It snows a lot during winter.
ॿार्हों /तेरहों /चोॾहों /पंद्रहों ॾीहुं ॾिण	**ॿार्हों /तेरहों /चोॾहों / पंद्रहों ॾीहुं ॾिण**	**बारहवाँ, तेरहवाँ, चौदहवाँ और पंद्रहवाँ दिन त्योहार**	**Baarhon /Terahon / Chodahon / Pandarho dihun Dina**	**Twelvth, Thirteenth, Fourteenth and Fifteenth Day Festivals**
तव्हांजो पसंदीदा ॾिणु कहिड़ो आहे?	तव्हांजो पसंदीदा ॾिणु कहिड़ो आहे?	आपका पसंदीदा त्योहार कौन सा है?	Tawhanjo pasandida dinu kahiro aahe?	What is your favorite festival?
मुंहिंजो पसंदीदा ॾिणु ॾियारी आहे।	मुंहिंजो पसंदीदा ॾिणु ॾियारी आहे।	मेरा पसंदीदा त्योहार दिवाली है।	Munhinjo pasandida dinu diyari aahe.	My favorite festival is Diwali.
ॾियारी मूंखे बि घणी पसंद आहे।	ॾियारी मूंखे बि घणी पसंद आहे।	दिवाली मुझे भी बहुत पसंद है।	Diyari munkhe bi ghani pasand aahe.	I also like Diwali very much.
पर मूंखे होली वधीक पसंद आहे।	पर मूंखे होली वधीक पसंद आहे।	लेकिन मुझे होली ज़्यादा पसंद है।	Par munkhe holi vadheek pasand aahe.	But I like Holi the most.

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
होलीअ में असां खूब रंग खेड़ुंदा आहियूं।	होलीअ में असां खूब रंग खेड़ुंदा आहियूं।	होली में हम खूब रंग खेलते हैं।	Holia men asaan khub rang khedanda aahiyun.	We play a lot with colours in Holi.
ड़िणनि में असां खूब मिठायूं खाईंदा आहियूं।	ड़िणनि में असां खूब मिठायूं खाईंदा आहियूं।	त्योहारों में हम खूब मिठाइयाँ खाते हैं।	Dinani men asaan khub mithayun khainda aahiyun.	We eat a lot of sweets during festivals.
जीअं, सयूं ईद जो ख़ास पकवान आहे।	हा, पर सयूं ईद जो ख़ास पकवान आहे।	जैसे, सेवईयाँ ईद का खास पकवान है।	Ha, par sayun Eid jo khas pakwan aahe.	Like sevaiyan is a special dish of Eid.
ड़िणनि जे मौके ते मेले में घुमणु बि खूब सुठो लंग़दो आहे।	ड़िणनि जे मौके ते मेले में घुमणु बि खूब सुठो लंग़दो आहे।	त्योहारों के समय मेले में घूमना भी बहुत अच्छा लगता है।	Dinani je mauke te mele men ghumanu bi khub sutho langando aahe.	I like to roam around in fairs during festivals.
हा, मूंखे बि घुमणु पसंद आहे।	हा, मूंखे बि घुमणु पसंद आहे।	हाँ मुझे भी घूमना पसंद है।	Ha, munkhe bi ghumanu pasand aahe.	Yes, I also like to move around.

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
तव्हां जे स्कूल में स्वतंत्रता दिवस/आज़ादी ड़ींहुं कीअं मल्हायो वेंदो आहे?	तव्हां जे स्कूल में स्वतंत्रता दिवस/आज़ादी ड़ींहुं कीअं मल्हायो वेंदो आहे?	आपके स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाता है?	Tawhanje school men swatantrata diwas/ azadi dihun kiyan malhayo vendo aahe.	How is Independence Day celebrated in your school?
असां झंडो फहराईंदा आहियूं, राष्ट्रगान ग़ाईंदा आहियूं, लड्डू बि खाईंदा आहियूं।	असां झंडो फहराईंदा आहियूं, राष्ट्रगान ग़ाईंदा आहियूं, लड्डू बि खाईंदा आहियूं।	हम झंडा फहराते हैं, राष्ट्रगान गाते हैं, लड्डू भी खाते हैं।	Asaan jhando fahrainda aahiyun, rashtragaan gainda aahiyun, ladun bi khainda aahiyun.	We hoist flag, sing the national anthem, and eat laddoos too.
ईअं ई गणतंत्र दिवस/ प्रजावादी ड़ींहुं बि मल्हाईंदा आहियूं।	ईअं ई गणतंत्र दिवस/ प्रजावादी ड़ींहुं बि मल्हाईंदा आहियूं।	ऐसे ही गणतंत्र दिवस भी मनाते हैं।	Eiyan e gantantra diwas/prajawaadi dihun bi malhainda aahiyun.	Republic Day is also celebrated in the same manner.
ब़ अक्टूबर ते असां गांधी जंयती जे मौके ते स्वच्छता दिवस/सफाई ड़ींहुं मल्हाईंदा आहियूं।	अक्टूबर ते असां गांधी जंयती जे मौके ते स्वच्छता दिवस/ सफाई ड़ींहुं मल्हाईंदा आहियूं।	दो अक्तूबर को गाँधी जयंती पर हम स्वच्छता दिवस मनाते हैं।	October te asaan Gandhi Jayanti je mauke te swachta diwas/safai dihun malhainda aahiyun.	We observe Swachhta Diwas on birth anniversary of Mahatma Gandhi on 2nd October.

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
स्कूल में मातृभाषा दिवस/ मादरीज़बान ड़ींहुं बि मल्हायो वेंदो आहे जेको एकीहीं फरवरी ते थींदो आहे।	स्कूल में मातृभाषा दिवस/ मादरीज़बान ड़ींहुं बि मल्हायो वेंदो आहे जेको एकीहीं फरवरी ते थींदो आहे।	हमारे स्कूल में मातृभाषा दिवस भी मनाया जाता है जो हर वर्ष इक्कीस फरवरी को होता है।	School men matribhasha diwas/ madirizabaan dihun bi malhayo vendo aahe jeko akihi February te thindo aahe.	Mother Tongue Day is also celebrated in our school on 21st February every year.
सोरहों ऐं सतरहों ड़ींहुं रिश्ता-नाता	**सोरहों ऐं सतरहों ड़ींहुं रिश्ता-नाता**	**सोलहवाँ और सत्रहवाँ दिन रिश्ते-नाते**	**Sorahon ain satarahon dihun Rishta-Naata**	**Sixteenth & Seventeenth day Relations**
तव्हांजे घर में केरु-केरु आहिनि?	तव्हांजे घर में केरु-केरु आहिनि?	आपके घर में कौन-कौन हैं।	Tawhanje ghar men keru-keru aahini?	Who all are there at your home?
असां जे घर में माता-पिता, ड़ाड़ो-ड़ाड़ी, चाचो-चाची ऐं मुंहिंजी भेण आहे।	असां जे घर में माता-पिता, ड़ाड़ो-ड़ाड़ी, चाचो-चाची ऐं हिक भेण आहे।	मेरे घर में माँ-पिताजी, दादा-दादीजी, चाचा-चाची और मेरी बहन है।	Asanje ghar men mata-pita, dado-dadi, chacho-chachi ain hika bhena aahe.	My mother, father, grandmother, grandfather, uncle, aunt and my sister are there in my home.

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
चङो त छा तूं कड़हिं पंहिंजे मामे जे घर वेंदो/वेंदी आहीं?	चङो त छा तूं कड़हिं पंहिंजे मामे जे घर वेंदो/वेंदीआहियो?	अच्छा तो क्या तुम कभी अपने मामा के घर जाते हो?	Chango ta chha tun kadahin panhinje mameje ghar vendo/ vendi aahiyo?	Good! Do you like to visit your maternal uncle's house?
हां, मां मोकलुनि जे ड़ींहुनि में मामे जे घर वेंदो/वेंदी आहियां। हुते तमाम घणो सुठो लग़ंदो आहे।	हां, मां मोकलुनि जे ड़ींहुनि में मामे जे घर वेंदो/वेंदी आहियां। हुते तमाम घणो सुठो लग़ंदो आहे।	हाँ! मैं छुट्टी के दिनों में मामा के घर जाती/जाता हूँ। वहाँ बहुत अच्छा लगता है।	Ha, maan makaluni je dihun me mameje ghar vendo/vendi aahiyan. Hute tamam ghano sutho lagando aahe.	Yes, I visit my maternal uncle's house during holidays. I feel good there.
हुते मुंहिंजो मामो-मामी, मासी ऐं नानो-नानी रहंदा आहिनि।	हुते मुंहिंजो मामो-मामी, मासी ऐं नानो-नानी रहंदा आहिनि।	वहाँ मेरे मामा-मामी, मौसी और नाना-नानी रहते हैं।	Hute muhinjo mamo-mami, maasi ain naano-naani rahanda aahini.	My maternal uncle-aunt, mother's sister, and grandparents live there.
असांजी नानी असांखे घणियूं कहाणियूं सुणाईंदी आहे।	असांजी नानी असांखे कहाणियूं सुणाईंदी आहे ऐं खाधो बि खाराईंदी आहे।	हमारी नानी हमें बहुत कहानियाँ सुनाती हैं ।	Asaanji naani asan khe kahaniyun sunaindi aahe.	Our grandmother tells us a lot of stories.

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
छा तूं बि पंहिंजे मामे जे घरि वेंदो/ वेंदी आहीं?	छा तूं बि पंहिंजे मामे जे घरि वेंदो/ वेंदी आहीं?	क्या तुम भी अपने मामा के घर जाते हो?	Chha tun bi panhinje mame je ghari vendo/ vendi aahin?	Do you also visit your maternal uncle's house?
हा, मां त पंहिंजे मामे ऐं पुफी बि॒न्हीं जे घर वेंदी/वेंदो आहियां।	हा, मां त पंहिंजे मामे ऐं पुफी बि॒न्हीं जे घर वेंदी/वेंदो आहियां।	हाँ, मैं तो अपने मामा और बुआ दोनों के घर जाती/जाता हूँ।	Ha, maan ta panhinje mame ain pufi binhi je ghar vendi/vendo aahiyan.	Yes, I go to my maternal uncle and paternal aunt's house every year?
मुंहिंजी पुफीअ जे घर में हिकु कुतो ऐं हिक बि॒ली बि आहिनि।	मुंहिंजी पुफीअ जे घर में हिकु कुतो ऐं हिक बि॒ली बि आहिनि।	मेरी बुआ के घर में एक कुत्ता और एक बिल्ली भी है।	Munhinji pufia je ghar me hiku kuto ain hika bili bi aahini.	My aunt has a dog and a cat in her house.
मुंहिंजे घर में त गांइ ऐं गाबा आहिनि।	मुंहिंजे घर में त हिक गांइ ऐं हिकु गाबो आहिनि।	मेरे घर में तो गाय और बछड़े हैं।	Munhinje ghar men ta hiku gaanyi ain hiku gaabo aahini.	I have cows and calves in my house.
असांजे गो॒ठ में मेंहिं ऐं ब॒किरियूं बि आहिनि।	असांजे गो॒ठ में मेंहिं ऐं ब॒किरियूं बि आहिनि।	हमारे गाँव में भैंस और बकरियाँ भी हैं।	Asaanje gotha men menhin ain bakariyun bi aahini.	goats and buffaloes also in my village.

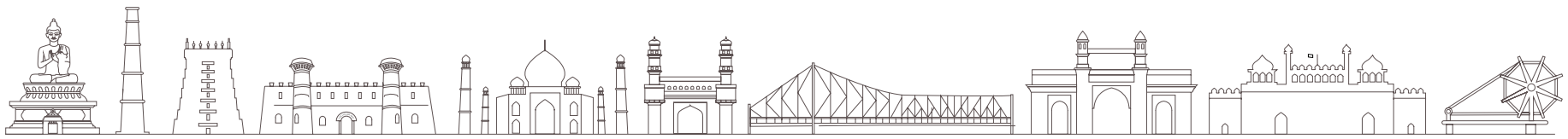

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
मुंहिजे घर में हिकु तोतो हो। हिकिड़े ड्रींहुं हू उड्रिरी वियो। मूंखे ड्राढो मज़ो आयो।	मुंहिजे घर में हिकु तोतो हो। हिकिड़े ड्रींहुं हू उड्रिरी वियो। मूंखे ड्राढो मज़ो आयो।	मेरे घर में एक तोता था। एक दिन वह उड़ गया। मुझे बड़ा मज़ा आया।	Muhniji ghar men hiku toto ho/hikare dihun hu udari viyo/ munkhe dadho mazo aayo.	I had a parrot in my home. One day it flew away. I really enjoyed it.
अरिणिहों ऐं उण्वींहों ड्रींहुं सफरु	**अरिणिहों ऐं उण्वींहों ड्रींहुं सफरु**	**अठारहवाँ और उन्नीसवाँ दिन यात्रा**	**Arinihon ain unaveehon dihun safaru**	**Eighteenth and Ninteenth day Travel**
तव्हां स्कूल जी मोकलुनि में किथे घुमण पसंद कंदा/कंदियू आहियो?	तव्हां स्कूल जी मोकलुनि में किथे घुमण पसंद कंदा/कंदियू आहियो?	आप स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमना पसंद करते हैं?	Tawhan school ji mokaluni men kithe ghuman pasand kanda/kandiyun aahinyun	Where do you like to visit during the holidays?
मूंखे ऊन्हारे जी मोकलुनि में जबलनि ते घुमणु पसंद आहे।	मूंखे ऊन्हारे जी मोकलुनि में जबलनि ते घुमणु पसंद आहे।	मुझे गर्मी की छुट्टियों में पहाड़ों पर घूमना पसंद है।	Munkhe unhaare ji makaluni men jabalani te ghuman pasand aahe.	I like to visit mountains during summer holidays.

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
हिन मोकलुनि में किथे वञणु वारी/वारो आहीं?	हिन मोकलुनि में किथे वञणु वारी/वारो आहीं?	इन छुट्टियों में कहाँ जाने वाले हो?	hina mokaluni men kithe vanyanu wari/ waro aahin?	Where are you planning to visit in this vacation.
मां त हिन मोकलुनि में सिक्किम या कश्मीर वञण वारी/वारो आहियां।	मां त हिन मोकलुनि में सिक्किम या कश्मीर वञण वारी/वारो आहियां।	मैं तो इन छुट्टियों में सिक्किम या कश्मीर जाने वाली/वाला हूँ।	Ma to hina mokaluni men sikim ya Kashmir vanyanu wari/waro aahiyan.	I will be visiting either Sikkim or Kashmir in these holidays.
मुंहिंजी इछा त सियारनि जी मोकलुनि में गोवा या अंडमान वञण जी आहे।	मुंहिंजी इछा त सियारनि जी मोकलुनि में गोवा या अंडमान वञण जी आहे।	मेरी इच्छा तो सर्दी की छुट्टियों में गोवा या अंडमान जाने की है।	Munhinji ikcha ta siyarani ji mokaluni me Goa ya andamaan vanyan ji aahe.	I would like to go to Goa or Andaman during the winter holidays.
अरे अंडमान त समुंड जे विच में आहे। हुते कीअं वञिबो आहे।	अरे अंडमान त समुंड जे विच में आहे। हुते कीअं वञिबो आहे।	अरे! अंडमान तो समुद्र के अंदर है, वहाँ कैसे जाते हैं?	Are anadamaan ta samund je vicha me aahe. hute kiyan vanyibo aahe.	Oh! Andaman is in Ocean, how do people go there?
हुते हवाई जहाज़ ऐं पाणीअ वारे जहाज़ बिन्हीं सां ई वञी सघिबो आहे।	हुते हवाई जहाज़ ऐं पाणीअ वारे जहाज़ बिन्हीं सां ई वञी सघिबो आहे।	वहाँ हवाई जहाज़ और पानी वाले जहाज़ दोनों से ही जा सकते हैं।	Hute hawai jahaz ain paaniya ware jahaz binheen saan e vanyi saghibo aahe.	One can go there by a ship or an aeroplane.

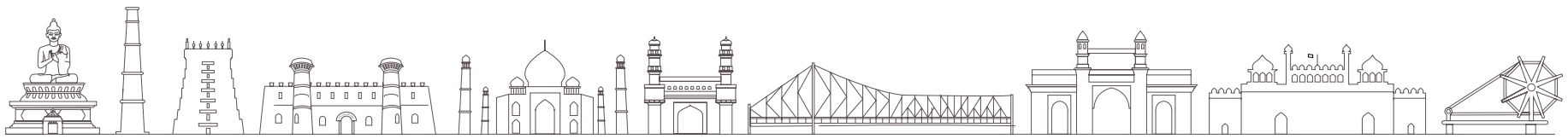

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
वीहों ॾींहुं मुंहिंजा सुपना/मकसद	**वीहों ॾींहुं मुंहिंजा सुपना/मकसद**	**बीसवाँ दिन मेरे सपने/लक्ष्य**	**Veehon dihun Munhinja Supana/ Maqasada**	**Twentieth day My Dream/Aim**
तव्हां पढ़ी लिखी छा करणु चाहींदा आहियो?	तव्हां पढ़ी लिखी छा करणु चाहींदा आहियो?	आप पढ़-लिखकर क्या करना चाहते हैं?	Tawhan parhi likhi chha karanu chahinda aahiyo?	What do you want to do after studies?
मां लेखिका/ लेखकु बणजण चाहींदी/ चाहींदो आहियां।	मां लेखिका/ लेखकु बणजण चाहींदी/ चाहींदो आहियां।	मैं लेखिका/लेखक बनना चाहती/चाहता हूँ।	Maan lekhika/ lekhaku banjan chaheendi/chaheendo aahiayan.	I want to be a writer.
मां पंहिंजे घरू वापार में मदद करण चाहींदी/चाहींदो आहियां।	मां पंहिंजे घरू वापार में मदद करण चाहींदी/चाहींदो आहियां।	मैं अपने घरेलू व्यवसाय में सहयोग करुंगी/करूंगा।	Maan panhinje gharu vaapaar men madad karanu chaheendi/ chaheendo aahiyan.	I want to support our family business?
मसलन्, कहिड़े किस्म जो वापारु?	मसलन्, कहिड़े किस्म जो वापारु?	जैसे, किस तरह का व्यवसाय?	Maslani, kahire kisma jo vapaaru?	Like what kind of business.

Sindhi	Sindhi Devanagri	Hindi	Sindhi Roman	English
ख़ेती/बाग़बानी/दुकानु/कपड़े जो वापारु	ख़ेती/बाग़बानी/दुकानु/कपड़े जो वापारु	खेती-बाड़ी/ बाग़वानी/ दुकान/ कपड़े का व्यवसाय।	Kheti/bagabaani/ dukaanu/kapire jo vaapaaru	Farming, gardening, shop, cloth business, etc.
मां राजनीतीअ में वञणु चाहींदी/चाहींदो आहियां।	मां राजनीतीअ में वञणु चाहींदी/चाहींदो आहियां।	मैं राजनीति में जाना चाहती/ चाहता हूँ।	Maan rajaneeteea me vanjanu chaheendi/ chaheendo aahiyan.	I want to join politics.
मुंहिंजो सुपनो एवरेस्ट ते वञण जो आहे।	मुंहिंजो सुपनो एवरेस्ट ते वञण जो आहे।	मेरा सपना एवरेस्ट पर जाने का है।	Munhinjo supano Everest te vanjanu jo aahe.	My dream is to climb the Mount Everest.
मां त सिपाही बणजण चाहींदी/ चाहींदो आहियां।	मां त सिपाही बणजण चाहींदी/ चाहींदो आहियां।	मैं तो सैनिक बनना चाहती/ चाहता हूँ।	Maan ta sipahee banjan chaheendi/ chaheendo aahiyan.	I want to become a soldier.

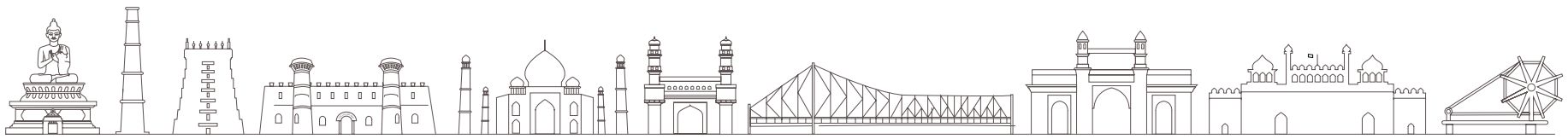

Grateful Acknowledgements are made to:

Ratnottama Das, Munshi Md. Younus, Chofia Basumatary, Bharat Bhushan, Sunita Gupta, Sharada, Satyanath, Mohan S. Niklje, Sushma Jatoo, Dhananjaya Kumar Acharya, Parmananda Jha, Reshma, Dabir Prachiti, Usha Joshi, Chakrapani Pokhrel, Ravi Prakash Tekchandani, Tamil Bharathan, Rajendra Mehta, C. Binodini Devi, Prithvi Raj Thapar, Indra Tekchandani, Parmananda Jha, Gayatri, Bishwajit Barua, Sunil Kumar, Rongjali Rabha, Krishna Aryal, Ranjit Behera, Jiten Murmu, Ashok Kumar, Preeti Shukla, M. Kishan, Yasmin Ashraf, Sandhya Singh, Amarendra Behera, Bharti Kaushik, K. C. Tripathi, Sandhya Sahoo, Mohd. Faruq Ansari, Lalchand Ram, Mohd. Moazzamuddin, Sanjay Kumar Suman, Diwan Hannan Khan, Kirti Kapur, Jatindra Mohan Mishra, R. Meganathan, Pramod Kumar Dubey, Chaman Ara Khan, Naresh Kohli, Meenakshi Khar, Ved Prakash Mishra, Neelkanth Kumar, Rajesh K. Nimesh, Suresh Makwana, (Late) S. G. Wadekar, Tarkeshwar Gupta, Abhishek Kumar Singh, Shakuntla, Moti Lal, Raj Roop, Mahesh Kumar Meena, Kiran Arora, Haseen Khan, Ashish Goyal, Munna, Gurindar Kaur, Ravi Ranjan, Shikha Patwa, Amit Kagra, Paromita Raha, Aarif, Chandan Kumar, Neelkanth Pan, Kriti Gautam, Abdur Razzaque Ziyadi, Imtiyaz Ahmad, Mohd. Tameer, Mohd. Fazil, Shabbir Ahmad, Gagan Arora, Rajat Kumar, Anita, Rekha, Nitin Tanwar, Devkee Nandan, Monu Kumar, Ata Hussain, Ashish Kumar, Jitin, Vivek Mandal, Himanshu, Bharti Singh, Megha Sharma, Riya Kumari, Usha Rawat, Karuna Shankar Tiwari, Devendar, Mukesh Vandana Arimardan, Vimlesh Chaudhary, Ajit Horo, Shanu Mukseem, B. Lungdoh, Amit Kumar, Kusumlata, Meenakshi Kukreti, Tanu Gupta, Jagbandhu Jana, Saumya Malik, Mayank kumar, Vikas Sangwan, Vikash K, Radhe Krishna, Saurav, Yogesh, Vivek Gupta, Deepak Bhardwai, Sanjeet Kumar, Payal Bose, Vijay Kumar, Rashik, Nikhil Sharma, Ankit Bairagi, Vipul Pal, Priya Tiwari and Gautami Gautam.

For queries and comments please contact:

The Joint Director
Central Institute of Educational Technology (CIET)
NCERT, New Delhi 110016

E-Mail: jdciet.ncert@nic.in

Phone: 91-11-26962580

The Head
Department of Education in Languages
NCERT, New Delhi 110016

E-Mail: del.ncert@gmail.com

Phone: 91-11-26565336

विद्यया S मृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
Tel: +91-11-26519154 Fax: +91-11-26519159
Email: director.ncert@nic.in